

हृति स्त्री. (तद्.) 1. आह्वान, आमंत्रण, ललकार 2. नाम, संज्ञा।

हृदना स.क्रि. (देश.) बार-बार ठोकर या आघात से तोड़ना फोड़ना, गोदना, जानवर द्वारा सींगों से हृदना।

हून/हूण पुं. (तत्.) 1. एक असभ्य, मंगोल जाति जिसने भारत की पश्चिमोत्तर सीमा पर कई बार आक्रमण किए 2. एक स्वर्ण मुद्रा।

हूनना स.क्रि. (तद्.) 1. आग में डालना, हवन या होम सामग्री डालना 2. आग पर रखकर भूनना 3. विपत्ति या परेशानी में फँसाना।

हू-बहू वि. (अर.) 1. मूल या पहले जैसा 2. किसी के बिल्कुल अनुरूप या समान, जैसे का तैसा।

हूय पुं. (तत्.) आह्वान करना, बुलाना जैसे- देव-हूय, पितृहूय।

हूर स्त्री. (अर.) 1. मुसलमानों के बहिश्त अर्थात् स्वर्ग की अप्सरा 2. हूर जाति।

हूरना स.क्रि. (देश.) 1. जोर से घुसाना या धँसाना, हूलना 2. जोर से धक्का देना, ढकेलना 3. मुक्कों से मारना 4. बहुत अधिक भोजन करना।

हूरा पुं. (अनु.) 1. घूँसा, मुक्का 2. हूला, लाठी या तलवार आदि को हूलने की क्रिया या भाव 3. ब्रज क्षेत्र में एक प्रकार का पुरुष नृत्य, हूला।

हूल स्त्री. (देश.) 1. लाठी, भाले आदि की नोक को जोर से कही गड़ाना, भौंकना 2. तीव्र पीड़ा, कष्ट 3. आनंद, हर्ष की ध्वनि 4. कोलाहल, शोर।

हूला पुं. (देश.) 1. लाठी या तलवार आदि को हूलने की क्रिया, भाव 2. ब्रज आदि क्षेत्र में प्रचलित एक प्रकार का पुरुष नृत्य जिसमें पेट और पेड़ को मटकाया जाता है तथा दोनों हाथों को एक स्थान पर मिलाकर बाँधी हुई मुट्ठी को बार-बार आगे पीछे किया जाता है।

हूल-फूल स्त्री. (देश.) आनंद, हर्ष, प्रसन्नता जैसे- विवाह की हूल-फूल।

हूह/हूहा स्त्री. (देश.) 1. युद्ध की ललकार 2. गर्जन, हुंकार 3. प्रसन्नता का शब्द, आनंद ध्वनि 4. तिरस्कार, अपमान की ध्वनि।

हू-हू पुं. (अनु.) 1. कोलाहल, शोर 2. सियारों, गीदड़ों की बोलने की आवाज, 'हुआ-हुआ'।

हृच्छूल पुं. (तत्.) चिकि. हृदय शूल, हृदय की पीड़ा, हृदय का रोग जिसमें रोगी को सीने में दर्द और दम घुटने का अनुभव होता है। angina pectoris

हृच्छोक पुं. (तत्.) हृदय का शोक, दिल की जलन।

हत वि. (तत्.) 1. हरण किया हुआ, छीना या चुराया हुआ, बलपूर्वक, अपहृत 2. जिसे कोई ले गया हो 3. समासयुक्त शब्द के आरंभ में उपयोग से हरण या वंचित का भाव जैसे- हतधन, हतसर्वस्व।

हततल पुं. (तत्.) 1. हृदयतल, अंतर्मन 2. हृदयमन।

हताधिकार वि. (तत्.) 1. जिसे अपने न्यायपूर्ण अधिकारों से वंचित कर दिया गया हो 2. पदवंचित, पदच्युत, जिसे बर्खास्त कर दिया हो।

हृति स्त्री. (तत्.) 1. हरण करने की क्रिया, भाव 2. लूटपाट 3. नाश, विनाश।

हृत्कंप पुं. (तत्.) हृदय स्पंदन, दिल का धड़कना, चिंता, भय, घबराहट आदि जैसे मनोवैज्ञानिक कारणों से यह होता है।

हृत्तंत्री स्त्री. (तत्.) 1. हृदय रूपी वीणा 2. हृदय स्पंदन, हृदय की धड़कन।

हृत्पटल पुं. (तत्.) हृदय, मन।

हृत्पिंड पुं. (तत्.) हृदय, दिल, हृदय नामक अवयव।

हृत्शूल पुं. (देश.) हृदय की पीड़ा, हृदय का दर्द।

हृद् पुं. (तत्.) टि. संस्कृत के समासयुक्त पदों में 'हृद्' का संधिनियमों के अनुसार हृत् या हल् रूप बन जाता है जैसे- हृत्कम, हृत्पिंड, हृत्लेख आदि, परंतु "हृद्+शोक" का रूप हृच्छोक हो जाता है और "हृद्+शूल" का हृच्छूल, साथ ही लेकिन प्रचलन में हृदलेख, हृदलेखन आदि भी मान्य हैं।